प्रीलिम्स फैक्ट्स : 25 जून, 2018

फिंगर प्रिंट ब्यूरो के निदेशक मंडल का 19वाँ अखिल भारतीय सम्मेलन
(19th All India Conference of Directors of Finger Print Bureau)

22-23 जून को हैदराबाद में फिंगर प्रिंट ब्यूरो (Finger Print Bureau) के निदेशक मंडल के दो दिवसीय अखिल भारतीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। फिंगर प्रिंटिंग अपराधियों का पता लगाने का एक सफल उपकरण है। वैज्ञानिक उपकरणों का उपयोग न केवल दृढ़ विश्वास को आधार प्रदान करता है बल्कि नागरिकों के विश्वास में सुधार करने के साथ-साथ पुलिस की जाँच प्रक्रियाओं को भी पारदर्शी और उत्तरदायी बनाता है।

सेंट्रल फिंगर प्रिंट ब्यूरो (Central Finger Print Bureau)

- फिंगर प्रिंट को व्यक्तिगत पहचान के माध्यम के रुप में प्रयोग किये जाने का विचार सर्वप्रथम 1858 में बंगाल प्रांत के ज़िला मजिस्ट्रेट सर विलियम हर्शल दारा प्रतिपादित किया गया था।
- विश्व का सर्वप्रथम फिंगर प्रिंट ब्यूरो राइटर्स बिल्डिंग कलकत्ता (अब कोलकाता) में वर्ष 1897 में स्थापित किया गया था।
- 1976 में प्रशासनिक नियन्त्रण केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को स्थानांतरित कर दिया गया और जुलाई 1986 में अंततः सेंट्रल फिंगर प्रिंट ब्यूरो को नवगठित राष्ट्रीय अपराध रिकॉंर्ड ब्यूरो के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन कर दिया गया।

प्रकार्यात्मक भूमिका एवं प्रशिक्षण संबंधी गतिविधियाँ

- ब्यूरो की अपराध अनुसूची के अंर्तगत आने वाले भारतीय और विदेशी दोष सिद्ध अपराधियों और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के इंटरपोल प्रभाग और स्वापक नियंत्रण ब्यूरो नई दिल्ली दारा भेजे गए अन्तर्राष्ट्रीय अपराधियों के रिकार्ड का अनुरक्षण करना।
- केंद्रीय सरकार के विभागों और भारत सरकार के उपक्रमों द्वारा (विचारार्थ) भेजे गए संदिग्ध फिंगर प्रिंट की जाँच करना।
- फिंगर प्रिंट विज्ञान में पुलिस व भारत में राज्य सरकारों के गैर-पुलिस कार्मिकों और विदेशों से कार्मिकों को कोलम्बो प्लान की तकनीकी सहयोग भेजना, विशेष राष्ट्र मण्डल अफ्रीकी सहयोग प्लान और अन्य विकासशील देशों के साथ अन्तर्राष्ट्रीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग के अंर्तगत प्रशिक्षण प्रदान करना।
- राज्य फिंगर प्रिंट ब्यूरो के कार्य में समन्वय एवं फिंगर प्रिंट से संबंधित सभी मामलों में आवश्यक मार्गदर्शन करना।
- अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट (1958 से) में फिंगर प्रिंट विज्ञान में प्रत्येक वर्ष प्रतियोगिता का संचालन करना।
- वार्षिक पत्रिका भारत में फिंगर प्रिंट का प्रकाशन करना जो देश में सभी फिंगर प्रिंट ब्यूरो के कार्य एवं गतिविधियों का गहन अध्ययन है।

प्रमुख भूमिका

- सेंट्रल फिंगर प्रिंट ब्यूरो में संदिग्ध फिंगर प्रिंट सहित सभी संदिग्ध दस्तावेजों का और उनकी पहचान के संबंध में दिये गए मत या अन्य संबंधित बिन्दुओं का परीक्षण किया जाता है।
- सभी सरकारी संस्थाओं एवं सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों के लिये यह सेवा निशुल्क है। प्राइवेट संस्थाओं या व्यक्तियों के मामले में दस्तावेज सरकारी संस्थाओं के माध्यम से भेजे जाए।

विश्व का सबसे छोटा कंप्यूटर मिशिगन माइक्रो मोट
(Michigan Micro Mote)

हाल ही में अमेरिका की मिशिगन यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने दुनिया का सबसे छोटा कंप्यूटर विकसित किया है। सिर्फ 0.3 मिलीमीटर आकार वाले इस कंप्यूटर को मिशिगन माइक्रो मोट नाम दिया गया है।

- वैसे ये सूक्ष्म कंप्यूटर जैसे ही डिस्चार्ज होते हैं इनकी प्रोग्रामिंग और डेटा समाप्त हो जाता है। इन कम्प्यूटरों में स्वयं को बूट करने की क्षमता नहीं है, चाहे ये बिजली से कनेक्ट हों या नहीं।
- इससे पहले वाले 2x2x4 मिलीमीटर आकार वाले मिशिगन माइक्रो मोट सहित अन्य सिस्टम बिजली से कनेक्ट न होने बावजूद इस प्रकार डिस्चार्ज नहीं होते थे। यही कारण है कि इन्हें बनाने वाले वैज्ञानिक इस बात को लेकर आश्वस्त नहीं हैं कि इन्हें कंप्यूटर कहा जाना चाहिये या नहीं? इनमें कंप्यूटर की तरह न्यूनतम फंक्शन वाली चीजें हैं या नहीं?
- इसे बनाने वाली टीम ने इसका इस्तेमाल तापमान मापदंड की स्पष्टता तय करने के लिये किया। इसे एक सटीक तापमान सेंसर के रूप में डिज़ाइन यह

नया सूक्ष्म कंप्यूटर इलेक्ट्रॉनिकि स्पंदनों के साथ तापमान को समय अंतराल में परविर्तति करता है।
- परिणामस्वरूप बेहद सूक्ष्म स्तर पर मात्र 0.1 डि.सें. गलती की संभावना के साथ यह तापमान बता सकता है। चूँकि तापमान से कैंसर के इलाज का पता लगाने में भी मदद मिल सकती है, इसलिये ये कैंसर के उपचार में सहायक हो सकते हैं।
- रैम और फोटोवोल्टिक्स के अलावा नए कंप्यूटिंग उपकरणों में प्रोसेसर व वायरलेस ट्रांसमीटर और रिसीवर होते हैं। बहुत छोटे होने के कारण इनमें पारंपरिक रेडियो एंटीना लगाना संभव नहीं था। ऐसे में इनमें दृश्य प्रकाश (Visible Light) की सहायता डेटा प्राप्त करने और संचारित करने की व्यवस्था की गई है। एक बेस स्टेशन प्रोग्रामिंग के लिये प्रकाश प्रदान करता है, तब यह डेटा प्राप्त करता है।
- मिशिगन माइक्रो मोट को बनाने में सबसे बड़ी चुनौती यह सामने आई कि इसे बेहद कम पावर से कैसे ऑपरेट किया जाए। बेस स्टेशन से मिलने वाले प्रकाश और इस सूक्ष्म कंप्यूटर के अपने ट्रांसमिशन LED से इसके बारीक सर्किट में करेंट आ सकता था। इसीलिये ऐसा सर्किट बनाया गया जो बेहद कम पॉवर पर तो काम करे ही, प्रकाश को भी सहन कर सके।
- दुनिया का सबसे छोटा कंप्यूटर मिशिगन माइक्रो मोट इतना छोटा है कि ऐसे 150 कंप्यूटर एक अंगूठे में फिट हो सकते हैं। इसे विकसित करने का काम लगभग एक दशक पहले शुरू हुआ था।

दुबई और आबुधाबी में भारतीयों को फ्री ट्रांज़िट वीज़ा

दुबई के शासक और यूएई के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम की अध्यक्षता में संयुक्त अरब अमीरात की कैबिनेट ने दुबई और आबुधाबी होते हुए विश्व के अन्य हिस्सों की यात्रा करने वाले भारतीय यात्रियों को फ्री ट्रांज़िट वीज़ा देने का निर्णय लिया है।

- इसका अर्थ यह है कि दुबई और आबुधाबी होते हुए दुनिया की यात्रा करने वाले भारतीय यात्रियों को इन दोनों शहरों में 48 घंटे तक रुकने के लिये एक भी पैसा नहीं खर्च करना होगा। ये नियम कब से लागू होंगे इस विषय में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

प्रमुख बिंदु

- 48 घंटे से अधिक की अवधि को केवल 50 दिरहम यानी 930 रुपए देकर 96 घंटे अथवा 4 दिन तक के लिये बढ़ाया जा सकता है।
- इस प्रकार के ट्रांज़िट वीज़ा को सभी यूएई एयरपोर्ट पर मौजूद पासपोर्ट कंट्रोल हॉल से प्राप्त किया जा सकेगा।
- इसके अतिरिक्त यूएई सरकार ने रोज़गार के लिये संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा करने वाले लोगों के लिये एक नए 6 माह के वीज़ा की भी घोषणा की है।
- संयुक्त अरब अमीरात भारतीय नागरिकों को वीज़ा ऑन एराइवल की सुविधा भी प्रदान कर रहा है। भारत के साथ-साथ अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, यूके और जापान को भी यह सुविधा प्राप्त है।

एसबीआई के नए प्रबंध निदेशक : अर्जित बसु

अर्जित बसु को भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) में प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है। इनकी नियुक्ति के साथ ही एसबीआई में 4 प्रबंध निदेशक हो जाएंगे। इनका कार्यकाल अक्तूबर 2020 तक का है। विदित हो कि रजनीश कुमार को चेयरमैन बनाए जाने के बाद से यह पद खाली था।

अर्जित बसु

- वर्ष 1983 में एसबीआई बैंक में पी.ओ. के रूप में इन्होने अपने करियर की शुरुआत की थी।
- इसके अलावा अर्जित बसु एसबीआई के अलग-अलग सर्कलों में अहम पदों पर अपनी सेवाएँ दी है।
- एसबीआई के प्रबंध निदेशक चुने जाने से पहले ये एसबीआई जीवन बीमा इकाई के प्रबंध निदेशक भी रह चुके हैं।

भारतीय स्टेट बैंक

- भारतीय स्टेट बैंक (इंपीरियल बैंक ऑफ इंडिया पुराना नाम) भारत का सबसे बड़ा एवं पुराना बैंक है। इसे अनुसूचित बैंक भी कहा जाता हैं।
- भारतीय स्टेट बैंक का प्रादुर्भाव वर्ष 1806 को बैंक ऑफ कलकत्ता की स्थापना के साथ हुआ। इसके तीन साल बाद बैंक को अपना चार्टर प्राप्त हुआ और इसे 2 जनवरी, 1809 को बैंक ऑफ बंगाल के रूप में पुनगर्ठित किया गया।
- बैंक ऑफ बंगाल के बाद बैंक ऑफ बॉम्बे की स्थापना 15 अप्रैल, 1840 को तथा बैंक ऑफ मद्रास की स्थापना 1 जुलाई 1843 को की गई। इन तीनों बैंकों का 27 जनवरी, 1921 को इंपीरियल बैंक ऑफ इंडिया के रूप में समामेलन कर दिया गया।
- 1 जुलाई, 1955 को इंपीरियल बैंक ऑफ इंडिया का अधिग्रहण कर इसे 'भारतीय स्टेट बैंक' का नाम दिया गया। तब से हर साल 1 जुलाई को इसके स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- इसका मुख्यालय मुम्बई में है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-fact-25-06-2018